कि. बा. हजारे (अण्णा)
K. B. alias Anna Hazare

राळेगण सिद्धी, तालुका पारनेर,
जिल्हा अहमदनगर (महाराष्ट्र)
पिन ४१४३०२
☎ (०२४८८) २४०४०१/२४०५८१
www.annahazare.org
www.joinannahazare.org.in

Ralegan Siddhi, Tal. Parner,
Dist. Ahmednagar (Maharashtra)
PIN 414302
☎ (02488) 240401 / 240581
annahazareoffice@gmail.com

दि. 23 दिसम्बर 2016
जा.क्र.जन. 51 /2016-17

प्रति,
श्री. अरविंद केजरीवाल,
मुख्यमंत्री, नई दिल्ली

आप मुख्यमंत्री बनने के बाद मै पहली बार मजबुरी से आपको पत्र लिख रहा हूँ। कारण जिस पवित्र राजघाट दिल्ली में हम मिलकर भ्रष्टाचार के विरोध में आंदोलन किया था, देश में जागृती लायी थी, उसी पवित्र राजघाट से कुछ लोग आम आदमी पार्टी को चन्दा बन्द सत्याग्रह कर रहे है। ऐसा पत्र मेरे पास आया है। यह एक दुर्दैवी घटना है। ऐसी मेरी धारणा है।

आंदोलनकारियोंने मुझे जो पत्र लिखा है उस में यह लिखा है कि, आप ने देश की गलत राजनिती को बदलनेवाली आम आदमी पार्टी का दावा किया था, देश में सत्ता के बजाय व्यवस्था परिवर्तन लाने की बात भी कि थी, देशवासियोंको एक इमानदार राजनिती कर के दिखाई जायेगी ऐसा भी वादा किया था। आम आदमी पार्टी को जनता की तरफ से दिए गए चन्दे का एक-एक रुपया का हिसाब अपनी पार्टी के वेबसाईट पर दिखाएगी और भी कई वादे किए थें। लेकिन वह वादे आपने नहीं निभाऐ है। देश- विदेश से जनता ने आपके पार्टी को चन्दा भेजा कुछ समय तक आपने जनता को हिसाब दिया लेकिन जून 2016 से दान दाताओंकी लिस्ट बेवसाईट से हटाई गई है, ऐसा पत्र में लिखा है। यह बात आपकी कृती और शब्दों में फरक करनेवाली बात है। आप जैसे समाज के प्रमुख बनकर चलनेवाले कार्यकर्ता के लिए ठिक नहीं है।

देश में व्यवस्था परिवर्तन लाना है तो शब्द और कृती को जोडनेवाली लीडरशीप की जरूरत है। आपने जनता को और मुझे भी समाज, देश में परिवर्तन का वादा किया था। आज वो वादा पुरा ना करने का दुःख होता है। समाज और देशहित के भलाई के ऐसे कई वादे आपने जनता से और मेरे से किए थे। उन सबका विवरण मैं नहीं करना चाहता। मै सिर्फ इतना ही कहना चाहता हूँ कि, हम कई साल साथ में थे। उस वक्त समाज और देश की भलाई के घंटोतक बाते होती थी। शुद्ध आचार, शुद्ध विचार, निष्कलंक जीवन, त्याग, अपमान पीने की शक्ती यह पाँच तत्व लीडरशीपने जीवन में संभालना जरूरी है। साथ-साथ सच्चाई को कभी नहीं छोडना। एक कार्यकर्ता कैसे होना, क्यूँ होना, इस पर भी हमेशा बातें होते रहती थी।

सामाजिक परिवर्तन की बातें, जो हम सबने सोचते थे, बातें करते थे, वह दूर जा रही है। और सत्ता पैसा परिवर्तन महत्वपूर्ण बन गया है इसलिए कृतज्ञता की भावना दूर जाते दिखाई दे रही है। अन्यथा जिन्होंने कठिण समय में चन्दा दिया उनके नाम वेबसाईट से नहीं हटाया जाता। आज चन्दा बन्द आंदोलन करने कुछ लोग राजघाट पर सत्याग्रह करने

जा रहे है। इसका कारण ही दिखाई देता है कि, अब मुझे किसी के चन्दे की जरूरत नहीं है। भगवान ने मुझे सबकुछ दिया है। ऐसी धारना बन जाने के कारण कृतज्ञता को ही हम भुल गए है।

इसी प्रकार आपकी पार्टी चलती रही तो देश की और पार्टीयां और आपकी पार्टी में फरक क्या? कई पार्टीयों को लोग चन्दा देते है लेकिन स्वार्थ के कारण आपकी पार्टी को जनता ने चन्दा दिया। वह स्वार्थ नहीं परिवर्तन के लिए थे। आपने ग्राम स्वराज एक किताब भी लिखी है। आप जीस तरिके से जा रहे है, क्या यही रास्ता है देश के ग्राम स्वराज का? यह मेरे सामने प्रश्न है।

समाज और देश के भलाई के लिए मैने महाराष्ट्र के सभी जनता के काम बाजू में रखकर आपके साथ निस्वार्थ भाव से लंबा समय दिया उसमें मैने समाज और देश का बहुत बडा सपना देखा था। लेकिन वह सपना टूट गया। इस से अन्ना हजारे की कोई हानी नहीं है। क्योंकी अन्ना हजारे एक फकिर आदमी है। लेकिन देश की जनता की वह बहुत बडी हानी है। ऐसा मेरा मानना है।

धन्यवाद.

आपका,

कि. बा. तथा अन्ना हजारे

प्रतिलीपी –

डॉ. मुनीश रायजादा, शिकागो, अमेरीका